कहानी: यूटा सागा

लेखिका: डॉ मीनाक्षी वर्मा

सार

- यह कहानी एक ऐसी जापानी बच्चे की है जिसने भूकंप की भयानक स्थिति में ना केवल अपनी मां की रक्षा की अपितु एक अन्य वृद्धा और उसके बच्चे को भी जीवनदान दे दिया। इसके अतिरिक्त पाठ के अंत में उसकी देशभक्ति का भी चित्रण किया गया है। इस जापानी बच्चे का नाम है - **यूटा सागा**।
- **निवास स्थान - जापान के मियागी प्रांत के तटवर्ती इलाके का सेंदई शहर।**
  मां का नाम - अयूमी आसूगा
  मां का काम - यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर
  पिता का नाम - ओसामु दाज़ाई।
  पिता का काम - फुकुशिमा न्यूक्लियर पावर प्लांट में कार्यरत।
  आज यूटा का जन्मदिन है।अचानक घर पूरा जोर से हिलने लगा। यूटा ने कसकर मां के हाथों को पकड़ लिया। इसके साथ ही बिजली चली गई।रेडियो पर सुनामी की चेतावनी दी जा रही थी।भूकंप की तीव्रता 8.9 रिक्टर पैमाने पर है।इस की चेतावनी सुनते ही यूटा मां के साथ बाहर की ओर किसी ऊंची इमारत(एक स्कूल)की ओर भागता है, सभी लोग उसी ओर भाग रहे हैं ,जान बचाने के लिए लोग सीढ़ियों पर धक्का-मुक्की कर रहे हैं। एक औरत सीढ़ियों पर गिर गई और यूटा सागा का हाथ पकड़कर प्रार्थना करने लगी कि वह उसके बच्चे को ऊपर ले जाए। यूटा उसका बच्चा गोद में लेकर

तीसरी मंजिल पर पहुंच जाता है।बच्चे के मासूम चेहरे को देख कर उसे एहसास होता है कि उस बच्चे को भी मां की ज़रूरत है। सुनामी की परवाह किए बिना पूरी शक्ति से नीचे की ओर जाकर उसकी मां को भी पकड़ कर सीढ़ियाँ चढ़ा लेता है और सुरक्षित उसके बच्चे को उसे सौंप देता है। सब ओर तबाही का दृश्य है। सेंदई एयरपोर्ट पानी में डूब गया।एक पूरी रेल और उसमें बैठे लोग लापता हो गए। चारों ओर प्रकृति का कहर था। अगले दिन बचाव कर्मियों ने स्कूल की इमारत में सुरक्षित सभी लोगों को अस्थाई शरण स्थल पहुंचा दिया।यूटा सागा के पिता अपनी पत्नी और बेटे को तलाशते रहे। आखिर एक राहत शिविर में यूटा की नजर पिता की निगाहों से टकराई और सारा परिवार आपस में मिल गया। बेटे ने अपने पिता को परिवार से कहीं दूर न जाने को कहा।पिता ने बताया कि फुकुशिमा न्यूक्लियर पावर प्लांट में विस्फोट होने से रेडिएशन का रिसाव हो रहा है,जिससे देश और दुनिया को खतरा है।कई प्रकार की बीमारियां फैल सकती है।लोग अपना घर छोड़ने पर विवश हो गए हैं। उसे भी जाना होगा अपने देश और दुनिया की रक्षा के लिए।यूटा सागा की मां अपने पति का हौसला बढ़ाते हुए कहती है - **जापानी भाषा में फुकुशिमा का शाब्दिक अर्थ होता है - भाग्यशाली द्वीप। हमारे लिए ये आपदाएं एक अवसर की तरह रही हैं जिन्होंने हमें फिर उठ खड़े होने के लिए प्रेरित किया है। ये आपदाएं हमारे राष्ट्रीय चरित्र को नहीं तोड़ सकती। यही तो हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है, देश प्रेम है।** तभी यूटा भी नम आंखों से पूरे जोश से पिता का साहस बढ़ाता है और कहता है - **पिताजी आप प्लांट पर जरूर जाइए क्योंकि परिवार से बड़ा देश है और देश से बड़ी दुनिया, आप तो मेरे परमाणु योद्धा (न्यूक्लियर निंजा) हैं।**

शिक्षा विभाग, पंजाब

मार्गदर्शक : डॉ. सुनील बहल, स्टेट रिसोर्स पर्सन (हिंदी व पंजाबी)

प्रस्तुति : सिम्मी, वैदिक गर्ल्ज़ सीनियर सैकण्डरी स्कूल , अमृतसर

संशोधन : सरिता शर्मा ,सरस्वती कन्या सी.स. स्कूल , अमृतसर

संयोजक : राजन , अमृतसर ज़िला हिंदी रिसोर्स पर्सन , अमृतसर